आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 20.07.2025 समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड सरकार द्वारा किए गए एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की सफल ग्राउंडिंग की सराहना की।
- श्री शाह ने राज्य के लिये एक हजार तीन सौ बयालीस करोड़ रुपए की 20 योजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया।
- कांवड़ यात्रा अंतिम चरण में, अब तक ढाई करोड़ से अधिक श्रद्धालु हरिद्वार से गंगाजल लेकर अपने गंतव्यों को रवाना हुए।
- कांवड़ यात्रा में श्रद्धालुओं को शुद्ध भोजन और सुरक्षित दवाएं उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार सख्त निगरानी कर रही है।

उत्तराखंड निवेश उत्सव–2025

रुद्रपुर में आयोजित उत्तराखंड निवेश उत्सव–2025 में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उत्तराखंड सरकार द्वारा किए गए एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की सफल ग्राउंडिंग की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री राज्य सरकार को चुनौतियों के बावजूद इस लक्ष्य को जमीन पर उतारने के लिए बधाई दी।
गृह मंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार नीति में पारदर्शिता, क्रियान्वयन में तीव्रता और दूरदर्शिता के साथ कार्य कर रही है।

श्री शाह ने कहा कि उत्तराखंड के बिना विकसित भारत की परिकल्पना अधूरी है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार, राज्य को अब तक एक दशमलव आठ–छह लाख करोड़ रुपए की सहायता दे चुकी है, जो पूर्ववर्ती सरकार की तुलना में चार गुना अधिक है।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि एक लाख करोड़ की ग्राउंडिंग केवल आर्थिक निवेश नहीं बल्कि उत्तराखंड की संभावनाओं और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक कदम है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड आज निवेश, नवाचार और औद्योगिक समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

इस मौके पर गृह मंत्री अमित शाह ने एक हजार तीन सौ बयालीस करोड़ रुपए की 20 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया। इनमें पिथौरागढ़ कारागार, चम्पावत पॉलीटेक्निक भवन, हल्द्वानी में बस टर्मिनल, टनकपुर में पेयजल परियोजना, हर्रावाला में होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज सहित कई प्रमुख योजनाएं शामिल हैं।

उत्साह

उत्तराखंड में एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की ग्राउंडिंग को लेकर इंडस्ट्रीज एसोसिएशन ऑफ उत्तराखंड ने उत्साह जताया है। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष पंकज गुप्ता ने इसे राज्य के लिए एक बड़ा सकारात्मक विकास बताया, जिससे दूरगामी परिणाम निकलने की उम्मीद है।

श्री गुप्ता का कहना है कि निवेशक सम्मेलन के केवल डेढ़ साल बाद कुल प्रस्तावित निवेश का 30 प्रतिशत जमीन पर उतरना असाधारण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर राज्यों में पांच से दस प्रतिशत ग्राउंडिंग ही हो पाती है, जबकि उत्तराखंड में तीस प्रतिशत तक पहुंचना राज्य सरकार के प्रयासों की सफलता दर्शाता है।

पंकज गुप्ता ने कहा कि राज्य सरकार ने केवल उद्योगों पर ध्यान केंद्रित न करते हुए ऊर्जा, पर्यटन और हाउसिंग जैसे अन्य क्षेत्रों में भी समन्वित आर्थिक विकास की नींव रखी है।

'एक्स' ट्रैंड

उत्तराखंड में एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की ग्राउंडिंग पूरी होने के अवसर पर जहां रुद्रपुर में ''उत्तराखंड निवेश उत्सव'' मनाया गया, वहीं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भी इसका उत्साह देखने को मिला। पूरे दिन #UttarakhandNiveshUtsav देशभर में ट्रेंड करता रहा।

लोगों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और प्रदेशवासियों को इस उपलब्धि पर शुभकामनाएं दीं। कई यूज़र्स की प्रतिक्रियाओं में यह भी कहा गया कि उत्तराखंड अब निवेश, नवाचार और रोजगार का केंद्र बनता जा रहा है।

गौरतलब है कि वर्ष 2023 में देहरादून में आयोजित वैश्विक निवेशक सम्मेलन में राज्य सरकार ने 3 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश करार किए थे। इनमें से अब तक 1 लाख करोड़ से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है, जिससे राज्य में 81 हजार से अधिक लोगों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार मिलने की संभावना है।

टीकाकरण अभियान

खसरा और रूबेला जैसी बीमारियों के उन्मूलन के लिए देहरादून ज़िले में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान को लेकर कल देहरादून स्थित एनआईसी सभागार में जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित हुई, जिसकी अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी (एफ.आर) के.के. मिश्रा ने की। बैठक में अभियान के प्रभावी संचालन के निर्देश दिए गए और सभी संबंधित विभागों से समन्वय बनाकर कार्य करने को कहा गया।

मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज कुमार शर्मा ने बताया कि खसरा और रूबेला उन्मूलन अभियान–2026 के तहत भारत सरकार द्वारा तैयार रोडमैप के अनुसार जिले से इन बीमारियों को पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य तय किया गया है। इसके अंतर्गत पांच वर्ष तक की आयु के उन बच्चों को टीका लगाया जाएगा, जिन्हें अब तक खसरा और रूबेला का टीका नहीं लगा है। जिले में इस अभियान को तीन चरणों में चलाया जाएगा। पहला चरण 21 जुलाई से 31 जुलाई, दूसरा चरण 19 अगस्त से 29 अगस्त और तीसरा चरण 18 सितंबर से 29 सितंबर 2025 तक संचालित किया जाएगा। इन चरणों में उन सभी बच्चों को टीका लगाया जाएगा जो नियमित टीकाकरण से वंचित रह गए हैं।

कांवड़ भीड़

हरिद्वार में श्रावण मास का कांवड़ मेला पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ जारी है। अब तक करीब ढाई करोड़ शिवभक्त गंगाजल भरकर अपने गंतव्यों की ओर रवाना हो चुके हैं। सिर्फ शनिवार को ही शाम छह बजे तक 48 लाख कांवड़िए हरिद्वार से जल लेकर निकले। डाक कांवड़ियों के आने से शहर का माहौल और अधिक भक्तिमय हो गया है। हरिद्वार पूरी तरह भगवा रंग में रंगा नजर आ रहा है और कांवड़ यात्रा की सजी–धजी झांकियों से पूरा शहर उत्सव में डूबा है।

यात्रा को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रशासन ने भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगा दी है और स्थायी बस अड्डा भी बंद कर दिया गया है। शहर में हर ओर कांवड़ियों की भीड़ है, लेकिन इसके बावजूद यातायात और कानून व्यवस्था सामान्य बनी हुई है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र सिंह डोभाल ने बताया कि बैरागी कैंप लगभग भर चुका है और पास ही दक्ष पार्किंग की व्यवस्था की गई है। रूट डायवर्जन योजना प्रभावी ढंग से काम कर रही है। सुरक्षा के लिए ड्रोन कैमरे, एटीएस की टीमें और डॉग स्क्वॉड भी तैनात हैं।

निगरानी एवं व्यवस्था

इधर, कांवड़ यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को शुद्ध भोजन और सुरक्षित दवाएं उपलब्ध कराने के लिए उत्तराखंड सरकार सख्त निगरानी कर रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर खाद्य संरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा विशेष निरीक्षण अभियान चलाया जा रहा है। अपर आयुक्त ताजबर सिंह जग्गी के नेतृत्व में विभागीय टीम ऋषिकेश, डोईवाला और अन्य यात्रा मार्गों पर होटलों, ढाबों और रेस्टोरेंटों का लगातार निरीक्षण कर रही है।

यह दल खाद्य सामग्री की सफाई, भंडारण, रसोई की स्थिति और कर्मचारियों की स्वच्छता की जांच कर रहा है। संदिग्ध खाद्य पदार्थों के नमूने लेकर प्रयोगशाला भेजे गए हैं और फूड लाइसेंस न होने पर कई प्रतिष्ठानों पर कार्रवाई की गई है। अधिकांश स्थानों पर फूड लाइसेंस दुकान के बाहर प्रदर्शित हैं, जिससे कांवड़ियों को भरोसेमंद स्थानों पर भोजन मिल रहा है।

अपर आयुक्त के अनुसार सभी विक्रेताओं को फूड लाइसेंस प्रमुखता से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए गए हैं। खाद्य विभाग द्वारा यात्रा मार्ग पर विशेष मोबाइल टीमें भी तैनात की गई हैं जो समय–समय पर निगरानी कर रही हैं। किसी भी स्थान पर शिकायत मिलने पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है।

औषधि विक्रेताओं की दुकानों पर भी निरीक्षण जारी है। ऋषिकेश और डोईवाला क्षेत्रों में 15 औषधि प्रतिष्ठानों की जांच की गई है। नियमों के उल्लंघन पर दो दुकानों को बंद कर दिया गया है।

स्थायी समाधान

चकराता क्षेत्र से बेहतर संपर्क में रुकावट बन रहे जजरेट भूस्खलन जोन का अब स्थायी समाधान शुरू होने जा रहा है। जिलाधिकारी सविन बंसल ने अपने चकराता दौरे के दौरान आपदा प्रबंधन अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त विशेष अधिकारों का प्रयोग करते हुए स्लोप स्टैबिलाइजेशन कार्य के आदेश जारी कर दिए हैं।

जजरेट स्लाइड ज़ोन 200 मीटर ऊंचा और 180 मीटर चौड़ा है, जहाँ पहाड़ी से लगातार मलबा गिरने के कारण मार्ग बार–बार बाधित हो रहा था। वर्षों से वन भूमि हस्तांतरण और क्षतिपूर्ति ज़मीन को लेकर यह मामला उलझा था। जिलाधिकारी ने लोक निर्माण विभाग को विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर शीर्घ कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

इस फैसले से चकराता की लाइफलाइन सड़क को स्थायित्व मिलने की उम्मीद है। श्री बंसल ने ध्वेरा और हईया बैंड सुधारीकरण सहित अन्य क्षेत्रों में भी आपदा मद से त्वरित धनराशि स्वीकृत करने के निर्देश दिए हैं।

और अब एक नजर आज के समाचार पत्रों की सुर्खियों पर...

उत्तराखंड निवेश उत्सव की ख़बर आज सभी समाचार पत्रों की सुर्खियों में है। पहाड़ी राज्य में निवेश लाना बड़ा काम, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हवाले से हिन्दुस्तान समाचार पत्र का शीर्षक है।

पंचायत चुनाव की खबर पर दैनिक जागरण लिखता है– प्रथम चरण के मतदान को कल रवाना होंगी 64 पोलिंग पार्टियां, प्रदेश के 49 विकास खंडों में 24 जुलाई को होगा मतदान।

और, उत्तराखंड में योग नीति के लिए जल्द बनेगी एसओपी– अमर उजाला इस शीर्षक के साथ खबर में लिखता है आयुष विभाग तैयार कर रहा है नीति के लिए गाइडलाइन, प्रदेश में संचालित होमस्टे भी खोल सकेंगे योग केंद्र।